।। आयोजक समिति ।।

:: संरक्षक ::

प्रो. धनंजय मिश्र
प्राचार्य
मो. 9039309133

:: संयोजक ::

प्रो. हीरालाल शर्मा
विभागाध्यक्ष - हिन्दी
मो. 7000499014, 9479218010

:: सह-संयोजक ::

डॉ. रीता यादव
सहा. प्राध्यापक - हिन्दी
मो. 9575901039

डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा
सहा. प्राध्यापक - हिन्दी
मो. 9406019833

:: सलाहकार/सदस्य ::

श्री शंकर लाल नेगी	सहा. प्राध्यापक - वनस्पतिशास्त्र
श्री भुनेश्वर राय	सहा. प्राध्यापक - अर्थशास्त्र
डॉ. राजू महोबिया	सहा. प्राध्यापक - वनस्पतिशास्त्र
डॉ. नीरजा नामदेव	सहा. प्राध्यापक - गणित
श्री फर्डिनांड मिंज	सहा. प्राध्यापक - अंग्रेजी
श्री प्रताप सिंह चौहान	सहा. प्राध्यापक - भौतिकशास्त्र
श्रीमती सुशीला गिलहरे	सहा. प्राध्यापक - प्राणीशास्त्र
श्रीमती तारा पटेल	सहा. प्राध्यापक - राजनीति विज्ञान
डॉ. नरेन्द्र देव मिर्झा	सहा. प्राध्यापक - वाणिज्य
श्री गणेशराम कुर्रे	सहा. प्राध्यापक - रसायनशास्त्र
श्री मोहनलाल वर्मा	सहा. प्राध्यापक - वाणिज्य
डॉ. नबी खान	सहा. प्राध्यापक - विधि
श्री अभिषेक बंजारे	सहा. प्राध्यापक - विधि
श्री जयंत मिंज	सहा. प्राध्यापक - विधि
श्रीमती ग्लैडिस सिम्मी मिंज	सहा. प्राध्यापक - मनोविज्ञान
डॉ. अजय कुमार औधेलिया	सहा. प्राध्यापक - भूगोल
डॉ. आकांक्षा एक्का	सहा. प्राध्यापक - रसायनशास्त्र
श्री रूपेश देवांगन	सहा. प्राध्यापक - रसायनशास्त्र
सुश्री सुषमा दीवान	सहा. प्राध्यापक - प्राणीशास्त्र
श्री योगेन्द्र कुमार	सहा. प्राध्यापक - वाणिज्य
डॉ. उत्तम कुमार	सहा. प्राध्यापक - इतिहास
श्री अमृत लाल चौधरी	ग्रंथपाल
श्रीमती डॉली (निशांत) शुक्ला	कम्प्यूटर विभाग

।। प्रमुख वक्ता ।।

प्रो. (डॉ.) जी.ए. घनश्याम
प्राचार्य,
शास. महाविद्यालय कुई-कुकदूर

प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल
प्राचार्य,
स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी
माध्यम आदर्श महाविद्यालय महासमुंद

प्रो. (डॉ.) सत्येन्दु शर्मा
विभागाध्यक्ष - संस्कृत
शास. दूधाधारी बजरंग कन्या
पी.जी. महाविद्यालय, रायपुर

डॉ. गिरजा शंकर गौतम
भाषा विभाग
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर

डॉ. फूलदास महंत
विभागाध्यक्ष - हिन्दी
शास. नवीन महाविद्यालय, सकरी, बिलासपुर

विशेष आमंत्रित वक्ता

प्रो. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य, शास. महाविद्यालय, बिलाईगढ़
डॉ. सुनीता त्यागी, सेवानिवृत्त प्राध्यापक

शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार (छ.ग.)

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

संपर्क भाषा हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2026

:: संपोषक ::

महाविद्यालय जनभागीदारी समिति

:: आयोजक ::

हिंदी विभाग

शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बलौदा बाजार (छ.ग.)

प्रतिष्ठा में,
श्रीमान/श्रीमती ______________________
____

:: प्रेषक ::

शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदा बाजार (छ.ग.)

gdkcbalodabazar.ac.in/

महाविद्यालय का परिचय :

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक भूमि पर स्थित शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार बीते छह दशकों से इसी शैक्षणिक चेतना, समाजिक प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदना को अपने भीतर संजोया हुआ है। इस महाविद्यालय की स्थापना 19 जुलाई 1963 को बलौदाबाजार एजुकेशन सोसायटी, बलौदाबाजार के माध्यम से हुई। वाणिज्य की स्नातक कक्षाओं से प्रारंभ हुई, इसकी शैक्षणिक यात्रा कालांतर में कला, विज्ञान और विधि सहित विविध ज्ञानानुशासनों तक विस्तृत हुई है। 17 जुलाई 1981 को मध्यप्रदेश शासन द्वारा इसे शासकीय महाविद्यालय का दर्जा दिया गया। हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर में स्थित यह महाविद्यालय बलौदाबाजार - भाटापारा जिले की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है और जिले के अग्रणी महाविद्यालय के रूप में शैक्षणिक नेतृत्व कर रहा है।

विषय परिचय : संपर्क भाषा हिन्दी : चुनौतियॉं एवं संभावनाएँ

भारत की भाषिक संरचना उसकी सांस्कृतिक विविधता की सबसे सशक्त अभिव्यक्तियों में एक है, यहॉं भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, स्मृति, लोकानुभव और अस्मिता की संवाहक है। ऐसी बहुभाषी और बहु सांस्कृतिक भूमि में एक ऐसी भाषा की आवश्यकता स्वाभाविक है जो विभिन्न भाषा भाषी समुदायों के बीच संवाद का सेतु बन सके। हिन्दी ने लंबे समय से इस भूमिका का निर्वहन किया है। वह अनेक क्षेत्रों में मातृभाषा है, अनेक लोगों की द्वितीय भाषा है और बड़ी संख्या में लोगों के लिये संपर्क भाषा के रूप में प्रयुक्त होती है।

प्रमुख चुनौतियॉं

1. बहुभाषिक भारत में संतुलन की चुनौती
2. अंग्रेजी का बढ़ता प्रभाव
3. ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनने की आवश्यकता
4. डिजिटल युग की चुनौती
5. हिन्दी के विविध रूपों के बीच दूरी

संभावनाएँ

1. भारत की व्यापक संपर्क क्षमता
2. हिन्दी और भारतीय भाषाओं का सहकार
3. तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमता
4. शिक्षा व्यवस्था
5. वैश्विक हिन्दी

उप-विषय :

1. हिंदी : संपर्क भाषा की संकल्पना, स्वरूप और आवश्यकता
2. बहुभाषी भारत में हिंदी का संपर्क - भाषा के रूप में भूमिका
3. हिंदी : लोकभाषा से संपर्क भाषा तक की यात्रा
4. भारतीय भाषाओं के बीच सेतु के रूप में हिंदी
5. राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की संपर्क भाषा : हिंदी
6. हिंदी और भारतीय भाषाओं का सह-अस्तित्व : चुनौती या संभावना
7. हिंदी संपर्क भाषा और भाषाई अस्मिता का प्रश्न
8. प्रशासन एवं शासन व्यवस्था में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
9. शिक्षा और उच्च शिक्षा में हिंदी की संपर्क - भूमिका
10. रोजगार, व्यापार और बाजार की संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
11. प्रवासन और महानगरीय जीवन में हिंदी की संपर्क - भूमिका
12. सिनेमा, टेलीविजन और सोशल मीडिया से विस्तारित
13. डिजिटल युग में हिंदी : संपर्क से समाचार तक
14. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिंदी के संपर्क-भाषा भविष्य की संभावनाएँ
15. विज्ञान, तकनीक और नवाचार की संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
16. हिंदी और अनुवाद : भारतीय भाषाओं के बीच संवाद का माध्यम
17. छत्तीसगढ़ जैसे बहुभाषी प्रदेश में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
18. हिंदी की वैश्विक यात्रा : प्रवासी भारतीयों से विश्व समुदाय तक
19. संपर्क भाषा हिंदी के समक्ष अंग्रेजी और वैश्वीकरण की चुनौती

वैकल्पिक शीर्षक -

1. हिंदी : संवाद की भाषा से संपर्क और संपर्क से सहयोग तक
2. हिंदी : विविधता के बीच संवाद का सेतु
3. हिंदी का नया भाषिक भूगोल : संपर्क, तकनीक और वैश्विक विस्तार
4. बहुभाषी भारत में हिंदी : वर्चस्व नहीं, संवाद का विकल्प
5. हिंदी : जनसंवाद से ज्ञान-संवाद तक
6. संपर्क भाषा के रूप में हिंदी : वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की दिशा

शोध पत्र आमंत्रण :

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय/उपविषयों पर आधारित शोध पत्र आमंत्रित है। चुने हुये शोध पत्रों के साथ संदर्भ ग्रंथ के रूप में संपादित कर प्रकाशित करने की योजना है। शोधपत्र शब्द सीमा 3000 से अधिक न हो। हिन्दी के शोधपत्र कृतिदेव 10, फॉन्ट साईज 15 (स्पेसिंग 1.5) एवं अंगेजी भाषा के शोध पत्र Times New Roman के font size 12 (Spacing 1.5) में टाईप किया हुआ शोधपत्र पूर्ण पेपर दिनांक 15-10-2026 तक (वर्ड फाईल) में निम्न ई–मेल पर पते पर भेज सकते है – dr.rajverma3876@gmail.com

प्रतिभागी (प्राध्यापक/अतिथि व्याख्याता) हेतु पंजीयन शुल्क	–	500/– रूपये
शोधार्थी हेतु पंजीयन शुल्क	–	300/– रूपये
महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं हेतु	–	200/– रूपये

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

संपर्क भाषा हिंदी : चुनौतियॉं एवं संभावनाएँ

दिनांक : 16 अक्टूबर 2026

Scan for GOOGLE FORM

पंजीयन प्रपत्र

नाम ....

पदनाम ....

संस्था ....

....

पता ....

....

मोबाईल ....

ई–मेल ....

शोध पत्र/आलेख का शीर्षक ....

....

पंजीयन शुल्क .... नकद / UPI

UPI Payment ID ....

Payment Date ....

Reciept No. .... Date ....

दिनांक : .... हस्ताक्षर

(इस प्रपत्र की छायाप्रति मान्य है)

कार्यक्रम को यू-ट्यूब में लाईव प्रसारण किया जायेगा जिसका लिंक कार्यक्रम पूर्व महाविद्यालयीन वेबसाईट पर उपलब्ध होगा।

UPI PAYMENT SCANNER

क्यू आर स्केन कर भुगतान करें।

Dr. Rajendra Verma